चिड़िया और चुरुंगन

प्र.१) रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।

अ) और सुनी जो पत्ते हिलमिल करते है आपस में बात,

आ) डाली से डाली पर पहुँचा देखी कलियाँ देखे फुल

इ) माँ, क्या मुझको उड़ना आया?

ई) खाने - गाने के सब साथी देख रहे है मेरी बाट

उ) 'नही, चुरुंगुन, तू भरमाया'

ऊ) मै नीले अज्ञात गगन की सुनता हूँ अनिवार पुकार

ए) 'आज सुफल हैं तेरे डैने, आज सुफल है तेरी काया'

प्र.२) दिए गए शब्दोंके तुकांत शब्द लिखें।

अ) आया - भरमाया

आ) फुल - मूल

इ) ओर - छोर

ई) झुककर - उठकर

उ) पात - बात

ऊ) काट - बाट

ए) पुकार - मार

ऐ) खाने - गाने

प्र.३) एक - एक वाक्य में उत्तर लिखें।

अ) चिड़िया और चुरुंगुन यह कविता किसने लिखी है?

चिड़िया और चुरुंगुन यह कविता हरिवंशराय बच्चन इन्होंने लिखी है।

आ) चुरुंगुन अपने घोसले से बाहर आके क्या देख रहा है?

चुरुंगुन ने अपने घोसले से बाहर आकर डाली और पत्ते को बाते करते सुनता है।

इ) जब चुरुंगुन ने अपनी माँ से पुछा के 'क्या मुझको उड़ना आया' इसपर माँ ने क्या जवाब दिया?

क्या मुझे उड़ना आया ऐसा जब चुरुंगुन ने पुछा तो माँ ने कहा के नही तुम्हें भ्रम हुआ है।

ई) एक डाली से दुसरे डाली पर जाने वक्त चुरुंगुन ने क्या देखा?

एक डाली से दुसरे डाली पर जाते वक्त चुरुंगुन ने डाली और

कलियों को देखा।

उ) चुरुंगुन पेड़ के नीचे झाँककर जब देखता है तो उसे किसके बारे में पता चलता है?
चुरुंगुन जब पेड़ के नीचे झाँककर देखता है तब उसे पेड़ोंके जड़ों के बारे में पता चलता है।

ऊ) चुरुंगुन कुछ फलों को खाता और कुछ को नीचे फेंक देता ऐसा क्यों करता?
अपने आसपास के दुनिया को जानने के क्रम में चुरुंगुन कुछ फल खाता और कुछ फल नीचे फेंक देता। इस तरह उसे कच्चे और पके फलोंको जानने मिलता।

प्र.४) दिए गए शब्दोंका अर्थ लिखें।
अ) पात - पत्ते
उ) भरमाया - भ्रम होना
आ) फुनगी - पेड़ की सबसे उपरी डाल
ऊ) तरु - वृक्ष
इ) बाट - राह देखना
ए) अज्ञात - जिसे जानता न हो
ई) गगन - आकाश
ऐ) सुफल - कामयाब

प्र.५) दिए गए शब्दोंका वाक्य में प्रयोग करें।
अ) घोसला - बहोत सारे पक्षी अपना घोसला बना कर रहते हैं।

आ) कलिया - कलियों को पेड़ से अलग नही करते।

इ) बाट - चिड़िया चुरुंगुन की बाट देख रही थी।

ई) सुफल - मेहनत करने के बाद सभी कार्य सुफल हो जाते हैं।

उ) दाना - चिड़िया चुरुंगुन को दाना खिलाती है।